ARCHAEOLOGY DEPARTMENT

The 17th January, 1996

No. 43/23/94-Edu. III(6).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964, and with reference to Haryana Government, Archaeological Department, Notification No. 43/23/93-Edu. III (6), dated the 28th September, 1994, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 2 of the Schedule given below to be a protected monument:—

SCHEDULE

Sr. No.	Name of Ancient or Historical Monument	Name of Village and tehsil	Name of District	Revenue plot No. to be included under protection	Area	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Ancient Budhist Stupa, Thanesar	Village Dra Khera, tehsil Thanesar	Kuru-kshetra	K. No. 41 — 26 — 2	Acre Kanal Marla 3 2 8	Kurukshetra Sanskrit University, Kurukshetra	These are the Kushan periods ancient most Budhist stupa and monastic complex in Kurukshetra Region

DEEPA JAIN SINGH,
Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Archaeology and Museums Department, Chandigarh.

पुरातत्व विभाग

दिनांक 17 जनवरी, 1996

संख्या 43/23/90-शि० III (6).—पंजाब प्राचीन ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातात्वीय और अवशेष अधिनियम, 1964 की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व विभाग की अधिसूचना संख्या 43/23/94-शि० III (6), दिनांक 28 सितम्बर, 1994 के प्रति निर्देश से हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 2 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को सुरक्षित स्मारक के रूप में रखे जाने के अपने आशय की घोषणा करते हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	प्राचीन तथा ऐतिहासिक स्मारक का नाम	गांव/तहसील का नाम	जिला का नाम	राज्य संरक्षण में लिये जाने वाले राजस्व	क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	प्राचीन बौद्ध स्तूप, थानेसर,	गांव-दरा खेड़ा, तह० थानेसर	कुरुक्षेत्र	किला संख्या 41 — 26 — 2	एकड़ कनाल मरला 3 2 8	कुरुक्षेत्र संस्कृत विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	ये कुरुक्षेत्र के क्षेत्र में प्राप्त होने वाले कुषाण काल के प्राचीनतम बौद्ध स्तूप एवं संघाराम कम्पलैक्स के अवशेष है।

दीपा जैन सिंह,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व विभाग, चण्डीगढ़।

LATE NOTIFICATIONS

ARCHAEOLOGY DEPARTMENT

The 17th January, 1996

No. 43/23/94-Edu. III(6).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological sites and Remains Act, 1964 and with refcience to Haryana Government Archaeological Department, Notification No. 43/23/94-Edu. III(6), dated the 28th September, 1994 and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 2 of the Schedule given below to be a protected monument :—

SCHEDULE

Sr. No.	Name of Ancient of Historical monument	Name of village and Tehsil	Name of Dittrict	Revenue plot No. to be included under protection	Area			Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6			7	8
1	Ancient Budhist Stupa, Thanesar, Kurukshetra	Village Dra Khera, Tehsil—Thanesar	Kurukshetra	K. No. 41 26 2	Acre 3	Kanal 2	Marla 8	Kurukshetra Sanskrit University, Kurukshetra	These are the Kushan periods ancient most Buddhist stupa and monastic complex in Kurukshetra Region.

DEEPA JAIN SINGH,
Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Archaeology and Museums Department,
Chandigarh.

पुरातत्व विभाग

दिनांक 17 जनवरी, 1996

संख्या 43/23/90/शि० III (6).—पंजाब प्राचीन ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातात्वीय और अवशेष अधिनियम, 1964 की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व विभाग की अधिसूचना संख्या 43/23/94-शि०III (6), दिनांक 28 सितम्बर, 1995 के प्रति निर्देश स हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 2 में विनिर्दिष्ट प्राचीन ऐतिहासिक संस्मारकों को सुरक्षित स्मारक के रूप में रखे जाने के अपने आशय की घोषणा करते हैं।

अनुसूची

क्रम सं०	प्राचीन तथा ऐतिहासिक स्मारक का नाम	गांव/तहसील का नाम	जिला का नाम	राज्य संरक्षण में लिये जाने वाले राजस्व	क्षेत्र			स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6			7	8
1	प्रचीन बौद्ध स्तूप, थानेसर, करुक्षेत्र	गांव दरा खेड़ा, तह० थानेसर	कुरुक्षेत्र	किला सं० 41 26 2	एकड़ 3	कनाल 2	मरला 8	कुरुक्षेत्र संस्कृत विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	ये कुरुक्षेत्र के क्षेत्र में प्राप्त होने वाले कुषाण काल के प्राचीनतम बौद्ध स्तूप एवं संघाराम कम्पलैक्स के अवशेष है।

दीपा जैन सिंह,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व विभाग, चण्डीगढ़।